



कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)

पूर्व नाम-शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788-2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com

Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

College Code : 1602



दुर्ग, दिनांक : 14.02.2023

शासकीय कन्या महाविद्यालय में आम बजट पर चर्चा

अर्थशास्त्र विभाग का आयोजन

शासकीय डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग में केन्द्रीय आम बजट -2023 पर विशेषज्ञों के साथ सार्थक चर्चा सम्पन्न हुई। मुख्य वक्ता के रूप में क्षेत्र के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रोफेसर लखन चौधरी, प्राध्यापक कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई एवं डॉ. सीमा अग्रवाल, प्राध्यापक, शासकीय महाविद्यालय उतई ने अर्थशास्त्र विभाग की छात्राओं को बजट-2023 की बारिकियों से अवगत कराया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस अवसर पर छात्राओं को संबोधित करते हुये कहा कि अर्थशास्त्र की छात्राओं के लिये देश एवं प्रदेश के बजट का ज्ञान अत्यन्त आवश्यक है। देश का बजट केवल देश की आर्थिक नीति एवं दिशा ही तय नहीं करता बल्कि हमारे सामान्य जीवन की आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित करता है।

प्रोफेसर लखन चौधरी ने विस्तृत रूप से बजट-2023 के प्रावधानों पर आंकड़ों सहित अपनी समालोचना प्रस्तुत की। उन्होंने स्पष्ट करने का प्रयास किया कि यह बजट लोक-लुभावना या चुनावी बजट नहीं है। उन्होंने बजट में मनरेगा के क्षेत्र में की गई कटौती को उचित नहीं माना लेकिन अधोसंरचना के विकास में बजट में किये गये प्रावधानों की प्रशंसा की। उन्होंने छात्राओं से भी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों पर चर्चा की और स्पष्ट करने का प्रयास किया कि बजट में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों से सरकार को कितनी आय प्राप्त हो रही है। वेतनभोगी वर्ग को प्रभावित करने में इस वर्ष आयकर के परिवर्तित प्रावधानों का भी उन्होंने विश्लेषण किया। डॉ. चौधरी ने ग्राफ के माध्यम से समझाया कि बजट की आय में 100 पैसों में से किस-किस मद से कितने-कितने पैसे आते हैं एवं 100 पैसों में किस-किस मद पर कितने-कितने पैसे खर्च होते हैं।

डॉ. सीमा अग्रवाल ने बजट के उन प्रमुख सात प्रावधानों की चर्चा की जिसे सप्तऋषि नाम दिया गया है। उन्होंने हरित विकास एवं पर्यावरण पर भी अपने विचार रखें। समावेशी विकास को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि पर्यावरण को क्षति पहुँचायें बिना अब देश विकास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने दुर्ग नगर निगम का ज्वलन्त उदाहरण देते हुये बताया कि किस तरह गौरवपथ के दोनों ओर के बड़े-बड़े पेड़ों को उसी रूप में अन्य स्थानों पर शिफ्ट कर गौरवपथ का चौड़ीकरण किया जा रहा है।

विभागाध्यक्ष डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने कार्यक्रम में सूत्रधार की भूमिका निभायी तथा डॉ. मुक्ता बाखला एवं प्रोफेसर दीपक कश्यप ने भी बजट चर्चा में भाग लिया तथा अर्थशास्त्र विभाग की कई छात्राओं ने इस कार्यक्रम में अपनी सहभागिता देकर बजट चर्चा को सार्थक बनाया।



समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

S.2

प्राचार्य